भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या *129

जिसका उत्तर 13 फरवरी, 2025 को दिया जाना है।

.....

कुरनूल जिले में सिंचाई परियोजनाएं

*129. श्री बस्तीपति नागराजू:

क्या जल शक्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना- त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम (पीएमकेएसवाई-एआईबीपी) के तहत कुरनूल जिले में वर्तमान में चल रही सिंचाई परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है तथा ये परियोजनाएं किन-किन स्थलों पर चल रही हैं और इन परियोजनाओं से अनुमानतः कितनी सिंचाई क्षमता सृजित किए जाने का लक्ष्य है;

(ख) पीएमकेएसवाई के तहत कुरनूल जिले में मौजूदा सिंचाई प्रणालियों की दक्षता बढ़ाने के लिए कार्यान्वित किए जा रहे उपायों का ब्यौरा क्या है;

(ग) पीएमकेएसवाई-एआईबीपी के तहत कुरनूल जिले में परियोजनाओं के लिए आवंटित और उपायोग की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है; और

(घ) जिले में अनुमोदित परियोजनाओं को निष्पादित करने में आने वाली किसी भी चुनौती या बाधा को दूर करने के लिए उठाए गए/उठाए जाने वाले प्रस्तावित कदमों सहित चल रही परियोजनाओं के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति मंत्री श्री सी. आर. पाटील

(क) से (घ): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

*****

'कुरनूल जिले में सिंचाई परियोजनाएं' के संबंध में दिनांक 13.02.2025 को लोक सभा में उत्तर दिए जाने वाले तारांकित प्रश्न सं. *129 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क): प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना-त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम (पीएमकेएसवाई-एआईबीपी) के अंतर्गत, इस समय, आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में कोई परियोजना नहीं चल रही है।

(ख): कृषि और किसान कल्याण विभाग वर्ष 2015-16 से आंध्र प्रदेश सहित पूरे भारत में एक केंद्र प्रायोजित योजना प्रति बूंद अधिक फसल (पर ड्रॉप मोर क्रॉप) कार्यान्वित कर रहा है। वर्ष 2015-16 से वर्ष 2021-22 के दौरान, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के एक घटक के रूप में प्रति बूंद अधिक फसल (पर ड्रॉप मोर क्रॉप) को कार्यान्वित किया गया था। वर्ष 2022-23 से प्रति बूंद अधिक फसल (पर ड्रॉप मोर क्रॉप) का कार्यान्वयन प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत किया जा रहा है। कृषि क्षेत्र में, जल उपयोग दक्षता को बढ़ाने के लिए उपयुक्त तकनीकी कार्यकलापों जैसे कि ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई के माध्यम से किसानों द्वारा जल बचत और संरक्षण तकनीकों का उपयोग करते हुए प्रति बूंद अधिक फसल (पर ड्रॉप मोर क्रॉप) को प्रोत्साहित किया जाता है। सरकार छोटे और सीमांत किसानों को ड्रिप और स्प्रिंकलर सिस्टम लगाने के लिए 55% आर्थिक सहायता और अन्य किसानों को 45% आर्थिक सहायता मुहैया करवाती है। आंध्र प्रदेश में, वर्ष 2015-16 से वर्ष 2024-25 तक, इस योजना के अंतर्गत कुल 9.8 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल को माइक्रो सिंचाई के अंतर्गत कवर किया गया है, जिसमें आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले का 90,274 हेक्टेयर क्षेत्र शामिल है।

(ग) और (घ): प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना-त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम (पीएमकेएसवाई-एआईबीपी) के अंतर्गत, आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में कोई परियोजना स्वीकृत नहीं की गई है।

*****